प्रतिवेदन

राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान 2007-08

जैवविविधता संरक्षण

प्रायोजक : एप्को – भोपाल

.....

आयोजक

कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर

गुप्ता की चाल, भटेरा चौकी, बालाघाट(म.प्र.) 481 001

फोन – 07632 – 248585, 9425822228 ई मेल – cdcindia@rediffmail.com

1. संस्था का नाम एवम् पता :— कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर
(गुप्ता की चाल) भटेरा चौकी, बालाघाट
म.प्र. 481 001
फोन : 07632 — 248585
मोबाईल : 09425822228
ई मेल :— cdcindia@rediffmail.com

2. कार्यक्रम का स्वरूप एवम् संबद्ध समूह :—

कार्यक्रम का नाम	संबद्ध समूह
प्रशिक्षण	ग्रामीण महिला पुरूष, पंचायत प्रतिनिधि समूह की महिलाएँ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक, स्वास्थ्य विभाग के सदस्य

3. क्षेत्र :— ग्रामीण

4. कार्यक्रम अवधि :— 3 दिन

- जून 03 से 05 तक
- पंचायत — भंडेरी, करवाही और मेंडकी

5. संप्रेषण माध्यम :— हिन्दी, स्थानीय बोली

6. कार्यक्रम विशेषज्ञ

कार्यक्रम : जैव विविधता संरक्षण स्थल भंडेरी दिनॉक : 03जुलाई	कार्यक्रम अध्यक्ष	श्रीमति सुखवती मेरावी
	मुख्य प्रशिक्षक	सुश्री ममता बैस
	अन्य सहयोगी प्रशिक्षक	श्री अनिलवर्मन
		श्रीमति मिनाक्षी कटरे
		श्री कन्हैया निगम
कार्यक्रम : जैव विविधता संरक्षण स्थल करवाही दिनॉक : 04जुलाई	कार्यक्रम अध्यक्ष	श्रीमति शील कुमारी धूपे
	मुख्य प्रशिक्षक	सुश्री ममता बैस
	अन्य सहयोगी प्रशिक्षक	श्री अनिलवर्मन
		श्रीमति मिनाक्षी कटरे
		श्री कन्हैया निगम
कार्यक्रम : जैव विविधता संरक्षण स्थल मेंड़की दिनॉक : 05जुलाई	कार्यक्रम अध्यक्ष	श्रीमति मनीशा परते
	मुख्य प्रशिक्षक	सुश्री ममता बैस
	अन्य सहयोगी प्रशिक्षक	श्री अनिलवर्मन
		श्रीमति मिनाक्षी कटरे
		श्री कन्हैया निगम

7. शैक्षिक सामग्री

- ''जैव विविधता संरक्षण'' के दौरान संस्था द्वारा विषय से संबंधित उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री की छायाप्रति उपस्थित प्रतिभागियों के बीच वितरित की गयी।

8. **आयोजित कार्यक्रमों का विवरण**

अभियान का प्रारंभ दिनॉक 03 जून से 05 जून तक पंचायत स्तर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, प्रशिक्षण का विषय था जैव विविधता, इस प्रशिक्षण में ग्रामीण व पंचायत स्तर की सस्थाओं के लगभग 116 ने भाग लिया, प्रशिक्षण का आयोजन मुख्य रूप से जैव विविधता क्या है ? जैव विविधता संरक्षण क्या है ? और आज की स्थिति में हमारे जीवन में हमारे वातावरण में इसकी स्थिति क्या है, इसका प्रभाव क्या हो रहा है, इस विषय पर प्रतिभागियों की क्षमतावृद्धि और व्यापक विचार विमर्श के लिए किया गया।

जैव विविधता संरक्षण क्या है इसके बारे में बताया गया कि हमारे आसपास जितने भी प्रकार के जीव जन्तु, पेड़ पौधे आदि पाये जाते हैं जोकि रंगरूप आकार गुण आदि में भिन्न या अलग हैं यही भिन्नता जैव विविधता कहलाती है और इन्हें बचान हमारा पहला काम है इन्हें बचाना क्यों जरूरी इस पर चर्चा करते हुये बताया गया कि आज हमारे सामने जल, जंगल और जमीन की समस्या एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आई है यह समस्या क्यों है इस पर निकलकर सामने आया कि.....

- जंगल दिन रात कट रहे हैं।
- नये पौधे लगाये नहीं जा रहे हैं।
- लोगों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।
- शासन द्वारा रोपित पोधों और वृक्षों पर लोगों का और शासन का ध्यान नहीं।
- जंगलों के कटने से खाली एवं बर्रा जमीन।

इन सभी में चर्चा के दौरान चर्चा का विषय बना कि हमारे आसपास जंगल नहीं हैं जंगल से पहले विभिन्न प्रकार की चीजें जैसे फल ओषधि दवाई कई प्रकार के बीज जिनका उपयोग हम बीमारी के इलाज के लिये करते हैं। उपस्थित सदस्यों द्वारा कहा गया कि हमारे गांव में पहले नीम के पेड़ बहुत अधिक थे इससे हमें दतून पत्ती फल प्राप्त होते थें जिनका उपयोग अपने दैनिक जीवन में किया करते थे। इनका उपयोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों के इलाज में किया करते थे। किन्तु अब एक भी पेड़ नहीं हैं।

आगे बताया गया कि आज का पूरा प्रशिक्षण हमारे बीच से विलुप्त हो रहे पोधे एवं चीजों को बचाने के लिये हमारे क्या प्रयास होना चाहिये, के लिये रखा गया है क्योकि जब तक हमारे द्वारा प्रयास नहीं होगा तब तक नीम जैसे पौधे हमारे गांव से समाप्त होते रहेंगे । जैव विविधता संरक्षण यही है कि हम हमारे बीच की चीजों को आने वाले समय के लिये बचाकर रखें।

प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों के द्वारा निम्न निर्णय लिये गये :–

- ग्रम मेंडकी में सड़क के दोनों ओर नीम के पौधे रोपित करने का निर्णय लिया गया।
- करवाही एवं मेंडकी में जल संरक्षण के लिये सोखपीट के साथ मेढ़बंधन, डबराडाबरी के निर्माण की बात की गई।
- पंचायत की बैठक के दौरन वृक्षों का बचाने एवं वन सुरक्षा समिति की सकियता को लेकर बात करने का निर्णय लिया गया।
- अन्य पोधे लगाने के लिये समुदाय में चर्चा।

राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान वर्ष 2007- 08

प्रभाव मूल्यांकन प्रपत्र

1. संस्था का नाम :– कम्युनिटी डेव्हलपमेंट सेंटर
   संस्था का स्वरूप :– सामाजिक संस्था

3. संपर्क व्यक्ति का नाम व दूरभाष कमांक :– अमीन चार्ल्स
   07632 – 248585
   मोबा. 09425822228

4. प्रस्तावित कार्यकम :– 03 से 05 जून 2008

5. संस्था द्वारा आयोजित कार्यकम :– जागरूकता घटक 'प्रशिक्षण'

6. आयोजित कार्यकम की तिथियॉ :–

कार्यकम : जैव विविधता संरक्षण स्थल भंडेरी दिनॉक : 03जुलाई
कार्यकम : जैव विविधता संरक्षण स्थल करवाही दिनॉक : 04जुलाई
कार्यकम : जैव विविधता संरक्षण स्थल मेंड़की दिनॉक : 05जुलाई

5. कार्यकम आयोजन स्थल
   (शहरी / कस्बाई / ग्रामीण) :– ग्रामीण

6. सहभागी संस्थाओं के नाम

(शासकीय)

- शिक्षा विभाग, भंडेरी संकुल

(अशासकीय)

- महिला एवं बाल विकास
- स्वयं सहायता समूह

(शैक्षणिक)

- शास.प्राथमिक शाला, करवाही
- शास.प्राथमिक शाला, मेंडकी
- शास. माध्यमिक बालक शाला भंडेरी

7. कार्यक्रम से संबद्ध समूह

विद्यार्थी	शिक्षक	सामान्य जनता	सामाजिक कार्यकर्ता	जनप्रतिनिधि	ग्रामीण जनता
✓	✓	✓	✓	✓	✓

8. संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम

प्रशिक्षण	कार्यशाला	शिविर	पदयात्रा	रैली	आमसभा	प्रदर्शन	प्रतियोगिता	शैक्षणिक सामग्री का विकास	नुक्कड़ नाटक	अन्य
✓	—	—	—	—	—	—	—	—	—	नाटक

9. आयोजित कार्यक्रम/कार्यक्रमों का विषय

कार्यक्रम	विषय
प्रशिक्षण	जैव विविधता संरक्षण

10. कार्यक्रम में शामिल विशेषज्ञों का नाम एवं कार्यक्षेत्र

नाम	कार्यक्षेत्र
श्री अमीन चार्ल्स	सामाजिक
सुश्री ममता बैस	सामाजिक
श्री अनिल वर्मन	सामाजिक
श्रीमती मीनाक्षी कटरे	सामाजिक

11. क्या आपके द्वारा कार्यक्रम मे जनप्रतिनिधि/स्वयंसेवी सस्थाओं का सहयोग लिया गया है यदि हॉ तो उसका विवरण लिखें

- कार्यक्रम में सहयोगी स्वयंसेवी संस्थाओं एवम् जनप्रतिनिधियों का विवरण –

स्वयं सेवी संस्थाएं	जन प्रतिनिधि
• 66 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं • पलाश महिला संघ	• पंचायत प्रतिनिधि भंडेरी • पंचायत प्रतिनिधि करवाही • पंचायत प्रतिनिधि मेण्डकी

12. कार्यक्रम का संप्रेक्षण माध्यम

- (हिन्दी एवम् स्थानीय)

13. कार्यक्रम में वितरित शैक्षणिक सामग्री का विवरण

- जैव विविधता पर उपलब्ध छायाप्रति समस्त प्रतिभागियों को उपलब्ध करायी गयी।

14. अभियान से स्थानीय जनता पर पड़ने वाले प्रभाव

(अ) कार्यक्रम से लोगों की जुड़ने की अभिरूचि (साधारण/मध्यम/उत्तम ✓)

(ब) कार्यक्रम में सहभागी समूह (संख्या) 80 महिला – 36 पुरूष – 55 बच्चे – 171

(स) क्या कार्यक्रम के बाद लोगों ने आपकी संस्था से संपर्क किया (हॉ ✓/नहीं)

(द) यदि हां तो किस संदर्भ में तथा कितने व्यक्तियों ने – लगभग 32 लोगों ने

- पौधे प्राप्त करने के संबंध में – ✓
- पौधे रोपण के संबंध में – ✓
- सोखपिट बनाने हेतु – ✓
- शाला में सत्र लेने हेतु – ✓
- वृक्षारोपण के संबंध में कार्ययोजना – ✓

15. मीडिया का सहयोग (समाचार पत्र/टेलीविजन/रेडियो)

- मीडिया का सहयोग सकारात्मक / सहयोगात्मक
- समाचार पत्र – समाचार पत्रों में कार्यकम का कवरेज

16. अनुवर्ती (फॉलोअप) कार्यकम

- संस्था, पंचायत और ग्राम स्तर पर समुदाय व वन सुरक्षा समिति के सदस्यों से तालमेल बनाकर कुछ गॉवों में वृक्षों के संरक्षण, जल संरक्षण व नये पौध रोपिणी के लिये समुदाय को प्रोत्साहित करती रहेगी।
- संस्था द्वारा निर्मित स्व सहायता समूह की बैठकों में इसे चर्चा का विषय बनाकर इस ओर ध्यानाकर्शण करने का प्रयास करेगी।

17. आपकी दृष्टि में उद्देश्य प्राप्ति एवं सफलता का आकलन (प्रतिशत)

- कार्यकम के अपने उददश्य में लगभग 80 प्रतिशत सफल रहा, विषय से संबंधित जानकारी जन सामान्य तक पॅहुचाने में कार्यकम सफल रहा। युवा ग्रामीण महिला पुरूष, जन प्रतिनिधियों को विषय पर संवेदनशील बनाने में कार्यकम सफल रहा।

18. अभियान के बारे में आपके सुझाव एवं अनुभव

- एप्को द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश भर में संचालित इस अभियान का लाभ निश्चित रूप से जैव विविधता संरक्षण की गतिविधियों को मिलता है, कार्यकम का बजट बढाकर इसकी गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जा सकता है। जिले स्तर पर किसी एक संस्था को समन्वय का कार्य सौंप कर बेहतर मॉनीटरिंग की जा सकती है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर एप्को के पास उपलब्ध अन्य तकनीकों पर संस्थाओं को प्रशिक्षण देना प्रभावी होगा।

दिनांक

संस्था प्रमुख के हस्ताक्षर

सील